दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:मार्च-2024

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:मार्च-2024

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

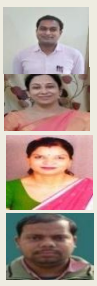

March-2024

कार्यक्रम विवरण-

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1.	01.03.2024	महाविद्यालय	वार्षिक क्रीड़ा समारोह का उद्घाटन	1–2
2.	02.03.2024	महाविद्यालय	वार्षिक क्रीड़ा समारोह का समापन	2–3
3.	04.03.2024	अंग्रेजी विभाग	अंग्रेजी विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान	3–4
4.	04.03.2024	वाणिज्य विभाग	वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन	4–5
5.	04.03.2024	वाणिज्य विभाग	वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन	5–6
6.	05.03.2024	समाजशास्त्र विभाग	समाजशास्त्र विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का समापन	6–7
7.	06.03.2024	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा करियर काउन्सिलिंग	7–8
8.	15.03.2024	महाविद्यालय	छात्र कल्याण समिति द्वारा विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता	8–9
9.	18.03.2024	राजनीति विज्ञान विभाग	राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन	9–10
10.	19.03.2024	राजनीति विज्ञान विभाग	राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन	11–12
11.	20.03.2024	महाविद्यालय	प्लेसमेंट सेल द्वारा कार्यक्रम का आयोजन	12–13
	21.03.2024	महाविद्यालय	सप्त दिवसीय शिविर का उद्घाटन	13–14
12.	21.03.2024	महाविद्यालय	जल रक्षक कार्यशाला	14–15
13.	22.03.2024	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर का द्वितीय दिवस	15–16

14.	22.03.2024	रसायन विज्ञान	एकेडमिक ऑडिट	16–17
15.	23.03.2024	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर का तीसरा दिन	17
16.	24.03.2024	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर का चौथे दिन	18
17.	25.03.2024	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर का पॉचवा दिन	18
18.	27.03.2024	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर का छठवें दिन	19
19.	29.03.2024	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर का समापन	19–20
20.	30.03.2024	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	20

March-2024

वार्षिक क्रीड़ा समारोह का उद्घाटन

दिनांक 01.03.2024 को दो दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्रांगण में किया गया। **खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए मुख्य अतिथि श्री राकेश सिंह, अंतरराष्ट्रीय पहलवान ने कहा कि** जो विद्यार्थी खेलते हैं वह निश्चित रूप से चरित्रवान होते है। चरित्र निर्माण में खेलों की अहम भूमिका होती है, क्योंकि एक खिलाड़ी अनुशासित तरीके से अपना जीवन जीता है। खेल हमारे अंदर उत्साह का सृजन करता है और उत्साह साहस को जन्म देता है। साहसी व्यक्ति ही समाज में संघर्ष करने के योग्य होता है और अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. अश्विनी कुमार मिश्रा, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी ने कहा कि दूसरे की जीत में भी खुशी होनी चाहिए क्योंकि हमें उस हार और जीत से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। विजय और पराजय महत्व नहीं रखता, बल्कि आपका उत्कृष्टता के साथ खेलों में प्रदर्शन महत्व रखता है।

खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के

तहत आपको खेलना है। जहां प्रतिस्पर्धा का भाव होता है वहां सर्वोत्तम की उत्तरजीविता का नियम काम करता है।

प्रस्ताविकी एवं स्वागत भाषण क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो. परीक्षित सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा सचिव श्री अवधेश शुक्ल ने किया तथा आभार ज्ञापन डॉ. नितीश शुक्ला ने किया।

खेल प्रतियोगिता में 400 मीटर दौड़ बालक वर्ग में शशि यादव प्रथम, श्याम नंदन द्वितीय व विशाल यादव तृतीय स्थान पर रहे तथा बालिका वर्ग में रौनक प्रथम, रुचि द्वितीय तथा श्वेता शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। इसी क्रम में गोला फेंक बालक वर्ग में गजेंद्र प्रथम, उदय भान द्वितीय व श्याम नंदन तृतीय स्थान पर रहे तथा बालिका वर्ग में अनामिका प्रथम, सुनीता निषाद द्वितीय व सोनम पासवान तृतीय स्थान पर रही।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह का समापन

दिनांक 02.03.2024 को दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह के समापन के दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं दौड़, ऊँची कूद, रिले रेस, हैमर थ्रो, डिस्कस थ्रो आदि खेलों का आयोजन किया गया।

10 हजार मीटर दौड़ बालक वर्ग में शिव कुमार निषाद प्रथम, सत्यपाल यादव द्वितीय एवं विशाल यादव तृतीय तथा बालिका वर्ग में रौनक यादव प्रथम, संजना निषाद द्वितीय एवं रोशनी गुप्ता तृतीय स्थान पर रहे। **रिले रेस 4×400** में श्याम नंदन यादव एवं टीम प्रथम, उमेश्वर निषाद एवं टीम द्वितीय सागर निषाद तृतीय स्थान पर रहे। **डिस्कस थ्रो** में

उदयभान प्रथम, चंदन द्वितीय तथा श्याम नंदन तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में क्षमा प्रथम, अंजली द्वितीय एवं अनामिका तृतीय स्थान पर रहीं हैमर थ्रों में रघुवीर प्रथम, अजीत द्वितीय एवं अजय तृतीय स्थान पर रहें। **ऊँची कूद** बालक वर्ग में अजय चौधरी प्रथम, आदर्श कुमार द्वितीय तथा सचिन यादव तृतीय स्थान पर रहें। बालिका वर्ग में चॉदनी सिंह प्रथम, श्वेता शर्मा द्वितीय तथा शशि यादव तृतीय स्थान पर रहे। **5000 मीटर दौड़** बालक वर्ग में शिव कुमार निषाद प्रथम, सत्यपाल द्वितीय एवं शशि यादव तृतीय स्थान पर रहें तो बालिका वर्ग में रौनक यादव प्रथम, संजना निषाद द्वितीय और रोशनी गुप्ता तृतीय स्थान पर रहें। **जैवलीन थ्रौ** बालक वर्ग में हर्षित पाण्डेय प्रथम, श्याम नन्दन द्वितीय एवं सुमित तृतीय स्थान पर तो बालिका वर्ग में क्षमा सिंह प्रथम, मंजू द्वितीय एवं अंजनी साहनी तृतीय स्थान पर रहें। **इस वार्षिक क्रीड़ा में ओवरऑल चैम्पियन रौनक यादव एवं शशि यादव रहें। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. शरद चन्द्र मिश्र, प्राचार्य, बी.आर.डी पी.जी कालेज देवरिया** ने कहा कि एक दिन में कोई महान नही बनता बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन के साधना का प्रतिफल होता है। कार्य के प्रति लगन व समर्पण, व्यक्ति को लक्ष्य तक ले जाता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि खेलों इण्डिया के माध्यम से सरकार ग्रामीण अंचल के खिलाड़ियों को खेल हेतु प्रोत्साहित कर रही है। **कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा सचिव श्री अवधेश शुक्ल ने किया तथा आभार ज्ञापन क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो. परीक्षित सिंह ने किया। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय में सभी शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।**

अंग्रेजी विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 04.03.2024 को महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा "शेक्सपियर : ए लिटिरेरी जीनियस' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. शान्ता सूरेज्या, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, उदित नारायण पी.जी.कालेज, पड़रौना, कुशीनगर थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि

शेक्सपियर का विश्व साहित्य में अद्वितीय स्थान है। शेक्सपियर के समकालीन कवि और नाटककार बेन जॉनसन के कथन को उद्धृत करते हुए डॉ. सूरेज्या ने कहा कि शेक्सपियर एक युग के ही नहीं अपितु सभी युग के कवि व नाटककार हैं। आज यह कथन पूर्णतया चरितार्थ प्रतीत होती है। उनकी व्यापकता को ध्यान में रखते हुए उन्हें अंग्रेजी साहित्य का सबसे महान लेखक और दुनिया का प्रमुख नाटककार माना जाता है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि** विलियम शेक्सपियर एक अंग्रेजी कवि नाटककार और पुर्नजागरण युग के अभिनेता थे। उन्होंने शेक्सपियर द्वारा लिखित नाटक हेमलेट, रोमियो और जुलिएट, ओथैलो, मैकवेथ पर व्यापक चर्चा की।

कार्यक्रम का संचालन, अतिथि परिचय एवं आभार ज्ञापन डॉ. पीयूष कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग ने किया।

वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन

दिनांक 04.03.2024 को महाविद्यालय के संवाद कक्ष में वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था **''द एसेंशियल्स आफ इनकम टैक्स एण्ड प्रीपरेशन आफ इनकम टैक्स रिटर्न्स''** संगोष्ठी का उद्घाटन **कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. संतोष कुमार राय, असिस्टेंट प्रोफेसर, महंत अवेद्यनाथ राजकीय महाविद्यालय, जंगल कौड़िया, गोरखपुर** थे। इस अवसर पर उन्होने अपने उद्बोधन मे कहा कि आपकी आमदनी पर केंद्र सरकार कर वसूलती है, इसे आयकर या इनकम टैक्स कहते हैं. आयकर से होने वाली

कमाई को सरकार अपनी गतिविधियों और जनता को सुविधा और सेवाएं देने के लिए इस्तेमाल करती है। साल में एक बार आपको एक आईटीआर फॉर्म में सरकार को आमदनी, खर्च, निवेश और टैक्स देनदारी के बारे में बताना होता है इसे आयकर रिटर्न (इनकम टैक्स रिटर्न) कहते हैं

कार्यक्रम में आई. क्यू. ए. सी. के समन्वयक, प्रो. परीक्षित सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक ही एक ऐसा व्यक्ति है जो अपने विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करता है आई.क्यू.ए.सी.का यह प्रमुख दायित्व है कि महाविद्यालय में शैक्षणिक कार्यों की गुणवत्ता बनी रहे।

वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आयकर की गणना विधि तथा उसके महत्व की विस्तृत व्याख्या तकनीकी सत्र के दौरान किया तथा तकनीकी सत्र में वाणिज्य विभाग के 25 विद्यार्थियों ने अपने शोध पत्र पी.पी.टी. के माध्यम से प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि वाणिज्य एक ऐसा विषय है जिसका संबंध सभी से है जब हम श्रम पूंजी व बुद्धि द्वारा आय उत्पन्न करते हैं तो इस पर हमें कर भी देना होगा। **कार्यक्रम का संचालन डॉ. अभय कुमार मालवीय** के द्वारा किया गया एवं **डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि का परिचय** दिया और **डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता के द्वारा आभार ज्ञापन** किया गया।

दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन

दिनांक 05.03.2024 को महाविद्यालय के संवाद कक्ष में वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय संगोष्ठी विषय था **''द एसेंशियल्स आफ इनकम टैक्स एण्ड प्रीपरेशन आफ इनकम टैक्स रिटर्न्स''** का समापन हुआ। इस **कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अमरनाथ तिवारी असिस्टेंट प्रोफेसर, महंत अवेद्यनाथ**

राजकीय महाविद्यालय, जंगल कौड़िया, गोरखपुर थे। इन्होने अपने उद्बोधन मे कहा कि अगर आपकी कुल कमाई (2.5 लाख रुपये से अधिक) टैक्स के दायरे में आती है तो उसे ITR फाइल करना होता है। कितनी इनकम होने पर कितना टैक्स आपको भरना होगा ये आपकी उम्र और इस बात पर निर्भर करता है कि आपने कौन सी टैक्स रेजिम चुनते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यलय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि जब बजट सरकारें प्रस्तुत करती है तो यह दो भागों में वर्गीकृत होता है प्रथम भाग A में यह प्रस्तुत किया जाता है कि कृषि, शिक्षा, रक्षा, समाज कल्याण एवं स्वास्थ सेवाओं के लिए कितना व्यय करना है तथा भाग B में कहाँ से पैसा आएगा इसके लिए लोकनिधि का निर्माण करती है। जब कर प्रस्ताव रखे जाते हैं तो एक विनियोग विधेयक होता है जब वह संसद में पारित होता है तो पारित होने के बाद ही सरकार लोकनीति से पैसे खर्च कर सकती हैं। अगले वर्ष के लिए क्या टैक्स स्लैब होगा यह बजट प्रस्ताव भाग B का हिस्सा है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अभय कुमार मालवीय के द्वारा किया गया एवं डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। डॉ. दीपक कुमार साहनी ने दो दिवसीय संगोष्ठी सार संग्रह प्रस्तुत किया एवं वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह ने आभार ज्ञापन किया

समाजशास्त्र विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान

दिनांक 05.03.2024 को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में समाजशास्त्र की प्रासंगिकता' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. आर.एल. गाडिया, पूर्व प्रभारी, समाजशास्त्र विभाग थे। उन्होंने समाजशास्त्र के उद्भव से लेकर

इसके विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि समाज एक मानसिक अवधारणा है। जिस प्रकार हम ईश्वर को देख नहीं सकते है किन्तु उन्हें महसूस कर सकते है, उसी प्रकार हम समाज के विविध अंगों यथा सामाजिक समूह, समुदाय, संस्था आदि को समझ सकते हैं। सामाजिक संबंधों की व्याख्या भी इसी आधार पर कर सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि व्यक्ति की स्वाभाविक वृत्ति है कि वह अनवरत बड़ी इकाईयों का सदस्य होना चाहता है। रक्त संबंधों के द्वारा ही कुटुम्ब की रचना हुई है। **कार्यक्रम की प्रस्ताविकी एवं अतिथि परिचय प्रो. अर्चना सिंह, प्रभारी समाजशास्त्र विभाग ने एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील कुमार सिंह तथा आभार ज्ञापन डॉ. सरिता सिंह ने किया।**

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा करियर काउन्सिलिंग

दिनांक 6 मार्च 2024 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए करियर एवं हेल्थ काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को मेंटल मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबन्धन तथा शारीरिक

समस्याओं को सुनकर उचित समाधान प्रदान किया गया। विद्यार्थियों को समसामयिक करियर विकल्पों की जानकारी देते हुए काउंसलर्स ने उच्च शिक्षा क्षेत्र में, विधि के क्षेत्र में, अध्यापन कार्य, कर्मचारी सेवा, सिविल सेवा, फैशन डिजाइनिंग, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग आदि के क्षेत्र में करियर सम्भावनाओं के

बारे में बात की।

इस कार्यक्रम में **विशेषज्ञ के रूप में डॉ. सुशील कुमार तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, सेंण्ट एण्ड्रयूज महाविद्यालय, गोरखपुर तथा डॉ.जे.के.मिश्र, फिजिशियन, गोरखनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ, गोरखपुर** उपस्थित रहे। इन्होंने विद्यार्थियों की प्रत्येक समस्याओं को सुनकर सामूहिक तथा व्यक्तिगत दोनों स्तर पर सलाह प्रदान की।

छात्र कल्याण समिति के द्वारा महाविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को 'आर्थिक सहायता' प्रदान करने हेतु साक्षात्कार

दिनांक 15 मार्च 2024 को महंत दिग्विजयनाथ विद्यार्थी वित्तपोषण योजना–2024 के अन्तर्गत छात्र कल्याण समिति के द्वारा महाविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को 'आर्थिक सहायता' प्रदान करने हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया गया। आर्थिक सहायता हेतु महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के कुल 334 विद्यार्थियों ने आवेदन पत्र जमा किया था, जिसमें से कुल 259 विद्यार्थी साक्षात्कार हेतु उपस्थित हुए।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह द्वारा घोषणा किया कि चयनित विद्यार्थियों के बैंक खातों में 31 मार्च तक उनकी सहायता राशि महाविद्यालय के प्रबंध तंत्र द्वारा भेज दिया जायेगा। महाविद्यालय में कोई भी आर्थिक समस्या के कारण शिक्षा प्राप्त करने से वंचित नहीं रहेगा। महाविद्यालय ऐसे विद्यार्थियों के साथ मजबूती से खड़ा है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। यथासंभव उनके शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

छात्र कल्याण समिति के समन्वयक डॉ. सुभाष चन्द्र ने विद्यार्थियों को अवगत कराया कि महाविद्यालय में फ्री इण्टरनेट, जिम, योग, ताइक्वाण्डो, हॉस्टल तथा विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति की सुविधा उपलब्ध है। साक्षात्कार के अन्त में उन्होंने कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले समस्त विद्यार्थियों, समिति के सदस्यों, उपस्थित प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को साक्षात्कार के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित भी किया।

राजनीति विज्ञान विभाग एवं आई.सी.डब्ल्यू.ए. के संयुक्त तत्त्वावधान में द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

दिनांक 18.03.2024 को महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग एवं आई.सी.डब्ल्यू.ए. के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिनका विषय भारतीय विदेश नीति : हिंद–प्रशांत क्षेत्र था। उद्घाटन सत्र में **मुख्य अतिथि प्रो. संजय श्रीवास्तव, कुलपति, महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार** थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत अब **'रूल टेकर' नही बल्कि 'रूल मेकर'** बनने की ओर अग्रसर है। आज के समय में भारत की पहचान उदीयमान राष्ट्र के रूप में हो रही है, जिससे वैश्विक राजनीति में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। विश्व के तमाम बड़े नेताओं ने भारत की तरफ महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए देखा है। भारत आज योग व आयुर्वेद जैसी ऋषि परम्परा से अन्तर्राष्ट्रीय समस्या पर काम करने का प्रयास कर रहा है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेन्द्र प्रताप सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ थे। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत का पूर्व व दक्षिणी एशियाई देशों से पहले से ही व्यापक सम्बन्ध रहा है। बौद्ध धर्म ने इस क्षेत्र में अपनी जड़े काफी मजबूत की है। **विशिष्ट अतिथि डॉ. पुनीत गौड़, प्रतिनिधि, आई.सी.डब्ल्यू.ए.** ने कहा कि भारतीय वैश्विक परिषद्, नई दिल्ली की स्थापना एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संगोष्ठी आज के वैश्विक राजनीति के पटल पर सबसे महत्वपूर्ण विषय पर आधारित है। हिंद–प्रशांत क्षेत्र में भारत की विदेश नीति एक नियम आधारित व्यवस्था को स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता एव आभार ज्ञापन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि भारत शांति व सहयोग की भावना रखते हुए **वसुधैव कुटुम्बकम** के भाव से आगे बढ़ रहा है। भारत की नीति कभी शोषण व गुलाम बनाने की नहीं रही है। दुनिया के सभी देश चाहते हैं कि चीन को चुनौती देने के लिए भारत अपनी भूमिका के साथ आगे आवे। हमारे सांस्कृतिक सम्बन्ध प्रारंभ से ही व्यापक रहे हैं। **राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर संकलित शोध पत्रों का आई.एस.बी.एन. पुस्तक रूप में विमोचन** भी किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में कुल 20 शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. शिखा चौहान, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा **अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह** अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर रहे। **राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकी सत्र में कुल 18 शोध पत्र प्रस्तुत किये गये।** इस सत्र की **मुख्य वक्ता डॉ. पूजा नायक** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, नेशनल पी.जी. कालेज, बड़हलगंज, गोरखपुर तथा **अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह**, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर रहे।

March-2024

राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन सत्र

दिनांक 19.03.2024 को महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग एवं भारतीय वैश्विक परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में **मुख्य वक्ता प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे।** उन्होंने ने कहा कि आज हिंद–प्रशांत क्षेत्र अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध का केन्द्र विन्दु बना हुआ है, जिसके मूल में अमेरिका है। हिंद–प्रशांत क्षेत्र किसी समय मे अमेरिकी झील कहा जाता था लेकिन चीनी प्रभाव के कारण यह चीनी झील के रूप में आज परिवर्तित हो गया है जो अमेरिका की समस्या का मूल कारण है।

विशिष्ट अतिथि डॉ महेन्द्र कुमार सिंह, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने कहा कि हिंद–प्रशांत क्षेत्र आज वैश्विक राजनीति के केन्द्र में है। भारत की विदेश नीति सामरिक एवं आर्थिक दृष्टि से इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। चीन एवं अमेरिका के इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा से उभरी चुनौतियों के समाधान के साथ भारत एक संतुलित और सकारात्मक विदेश नीति का निर्माण कर रहा है।

मुख्य अतिथि डॉ अश्विनी कुमार मिश्र, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर ने कहा कि विकास व सुरक्षा के साथ शांति भी जरूरी है और सांस्कृतिक सम्बन्धों के माध्यम से हिंद–प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ भारत को सम्बन्ध स्थापित करना चाहिए, जिससे भारत 'वसुधैव कुटम्बकम' की भावना को स्थापित कर सके।

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रतिवेदन संयोजक, श्री इन्द्रेश कुमार, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया। समापन सत्र के अध्यक्ष के रूप में **प्रो. उदय प्रताप सिंह, माननीय अध्यक्ष महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद गोरखपुर** रहे एवं आभार ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने किया।

''प्लेसमेंट एसेंशियल्स फॉर हायर एजुकेशन स्टूडेंट्स

दिनांक 20.03.2024 को प्लेसमेंट सेल, महाविद्यालय एवं एन.आई.आई.टी. गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में करियर काउंसलिंग एवं ऐक्सिस बैंक हेतु प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता ई. पियूष पाण्डेय, कम्युनिकेशन स्किल एवं पर्सनालिटी डेवलपमेंट ट्रेनर थे। डॉ पवन कुमार पाण्डेय द्वारा संपादित रोजगार परख पुस्तक ''प्लेसमेंट एसेंशियल्स फॉर हायर एजुकेशन स्टूडेंट्स'' का विमोचन प्रो ओमप्रकाश सिंह, प्राचार्य, डॉ. इंद्रेश पाण्डेय, प्रभारी, राजनीति विज्ञान विभाग, अविनाश श्रीवास्तव, एकेडमिक हेड, बालाजी एकेडमी एवं आशुतोष शुक्ला, एन.आई.आई. टी प्रतिनिधि की उपस्थिति में हुआ।

मुख्य वक्ता ई. पियूष पाण्डेय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा छात्रों को गतिशील और जटिल श्रम बाजार के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छात्रों में रोजगार योग्यता विकसित करने में मदद करने से उन्हें श्रम बाजार में उनके संक्रमण को सुविधाजनक बनाने और उनकी नई नौकरियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता और कौशल प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में बालाजी एकेडमी के एकेडमिक हेड एवं एन.आई.आई.टी के आशुतोष शुक्ला के नेतृत्व में ऐक्सिस बैंक में सहायक ब्रांच मैनेजर पद हेतु साक्षात्कार हेतु उपस्थित 174 विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह ने दोनो संपादकों को पुस्तक हेतु बधाई देते हुए कहा की विद्यार्थियों के लिए पठन–पाठन के साथ ही रोजगार परख शिक्षा एवं प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन भी महत्वपूर्ण है

विशेष सप्तदिवसीय शिविर का उद्घाटन

दिनांक 21.03.2024 को महाविद्यालय के **राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई इकाई के तत्वावधान में विशेष सप्तदिवसीय शिविर का आयोजन मीराबाई छात्रावास स्थित महन्त दिग्विजयनाथ सभागार में हुआ।** उद्घाटन कार्यक्रम के **मुख्य अतिथि प्रो. अवनीश राय, आचार्य, अंग्रेजी विभाग, दी. द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर** थे। उन्होंने ने अपने उद्बोधन में विशेष सप्तदिवसीय शिविर के पूर्व निर्धारित उद्देश्य मतदाता जागरूकता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, महिला

सशक्तीकरण आदि विषयों पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्यों व उद्देश्यों पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य, प्रो. ओम प्रकाश सिंह जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय की एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना है जिसे औपचारिक रूप से 24 सितम्बर 1969 को प्रारम्भ किया गया था। वर्ष 1969 भारत देश के लिए महत्वपूर्ण वर्ष रहा। इस वर्ष बैंकों का राष्ट्रीयकरण एवं महात्मा गॉधी के जयंती के 100 वर्ष पूर्ण हुए।

जल रक्षक विषय पर कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 21.03.2024 को यूथ पॉवर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में जल रक्षक विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध पर्यावरणविद व राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज गोंडा के निदेशक प्रोफेसर गोविंद पाण्डेय थे। उन्होंने महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक सदी पहले, मनुष्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त जल था, लेकिन जैसे–जैसे आबादी बढ़ी, मांग काफी बढ़ गई, जिससे लोगों के पास ताजे पानी तक पहुंच नहीं रह गई। यदि जल प्रदूषण के साथ–साथ जल के उपयोग की ये प्रवृत्तियाँ जारी रहीं, तो जल्द ही हमारे पास मीठे पानी के भंडार ख़त्म हो सकते हैं और भारी जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। जल रक्षक कार्यशाला की अध्यक्षता

कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि पृथ्वी पर सभी जीवित प्राणियों के लिए जल बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए जल को बचाना और उसका संरक्षण करना बहुत जरूरी है।

कार्यक्रम में विषय प्रस्तावना व जल रक्षक कार्यशाला के बारे में छात्रों को बताते हुए यूथ पॉवर एसोसिएशन के अध्यक्ष शिव प्रसाद शुक्ला ने कहा कि जल रक्षक यूथ पॉवर एसोसिएशन का एक कैंपस अम्बेसडर प्रोग्राम है जो स्कूल, कॉलेज, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र तथा छात्राओं को जल संरक्षण के प्रति अभिरुचि जगाकर उन्हें अपने विद्यालय या महाविद्यालय परिसर में जल संरक्षण हेतु कार्य करते हुए इस अभियान को कैंपस के कम्युनिटी तक ले जाता है। ये बने जल रक्षक–सर्वदर्शिता मौर्या, अंकित कुशवाहा, अस्तिका पाण्डेय, सुधा राव, संजना चौधरी, अभिजीत कुमार, अर्जुन कुमार, कृष्ना विश्वकर्मा, कमलेश राजभर।

विशेष सप्तदिवसीय शिविर का द्वितीय दिवस

दिनांक 22.03.2024 को महाविद्यालय के **राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विशेष सप्तदिवसीय शिविर के द्वितीय दिवस का प्रारंभ प्रार्थना सभा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्यगीत, संकल्पगीत के साथ हुआ।** इसके पश्चात महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली **मीराबाई छात्रावास स्थित महन्त दिग्विजयनाथ सभागार** से निकाला गया। इसके द्वारा नागरिकों को स्लोगन के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूक एवं सचेत किया गया। इसके पश्चात 'लोकतंत्र के सशक्तीकरण में मतदाता की भूमिका'

विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें चारो इकाईयों के स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के दूसरे दिन के प्रथम बौद्धिक सत्र में **मुख्य वक्ता डॉ. विवेक कुमार शाही, असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर** ने अपने उद्बोधन दिया। अपने उद्बोधन में विभिन्न प्रकार के मानसिक बीमारियों का उल्लेख करते हुए इनके लक्षण, कारक एवं बचाव के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा करते हुए स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं के प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का सम्यक समाधान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पीयूष कुमार सिंह द्वारा किया गया तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रदीप यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि राय एवं डॉ. जितेन्द्र कुमार पाण्डेय की सक्रिय भूमिका रही। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक प्रो. अर्चना सिंह, श्री अवधेश शुक्ल, डॉ. धीरज कुमार सिंह, डॉ. दीपक सिंह सहित स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाएं उपस्थित रहें।

रसायन विज्ञान विभाग का एकेडमिक ऑडिट

दिनांक 22.03.2024 को महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ0 प्रतिमा सिंह के नेतृत्व में सत्र 2023–24 के एकेडमिक ऑडिट का आयोजन डॉ0 अतुल कुमार श्रीवास्तव,

सहायक आचार्य, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया, बिहार के निर्देशन में किया गया। डॉ0 श्रीवास्तव ने महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के शैक्षणिक सत्र 2023–24 के समस्त अभिलेखों की जाँच करते हुए आवश्यक सुझाव दिया, जिसे भविष्य में क्रियान्वित करने का निश्चय किया गया।

उक्त अवसर पर प्राचार्य महोदय ने अकादमी लेखा परीक्षण पर बल देते हुए बताया की महाविद्यालय के विकास में विभागीय उपलब्धियां का ही योगदान होता है। जिस प्रकार चन्दन कुमार यादव को **DST- INSPIRE** फेलोशिप पर चयन हुआ वो विभागीय गुणवत्ता में शिक्षकों के योगदान को बताता है। हमारे छात्र–छात्राओं का चयन ही हमारी गुणवत्ता का परिचायक है। डॉ0 प्रतिमा सिंह ने मुख्य अतिथि के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि तैयारी में पूरा श्रेय हमारी टीम को जाता है, जिससे की हम सभी प्रकार के एकेडमिक कार्य को सुलभता से सम्पन्न करे लेते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर का तीसरा दिन

दिनांक 23.03.2024 को मीराबाई छात्रावास स्थित दिग्विजयनाथ सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष सप्त दिवसीय शिविर के तीसरे दिन की शुरूआत प्रार्थना सभा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत के साथ हुआ। तत्पश्चात स्वच्छता अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर एवं महिला छात्रावास की सफाई चारों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों के सकुशल नेतृत्व में हुआ,जिसमें सभी स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओ ने प्रतिभाग किया। इस विशेष सप्तदिवसीय शिविर के अवसर पर आज पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें सुभाष इकाई की आँचल चौधरी ने प्रथम, महाराणा प्रताप इकाई की दिशा पाठक ने द्वितीय स्थान

एवं सुभाष इकाई की नीतू निषाद ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। डॉक्टर सुभाष चंद्र , असिस्टेंट प्रोफेसर, बी .एड. विभाग ने आज के कार्यक्रम के बौद्धिक सत्र में पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के चौथे दिन

दिनांक 24.03.2024 को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सुभाष, महाराणा प्रताप, मीराबाई एवं गोरखनाथ इकाईयों द्वारा विशेष सप्त दिवसीय शिविर के चौथे दिन रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। चौथे दिन के कार्यक्रम के बौध्दिक सत्र में डॉ. इंद्रेश कुमार, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने मानवाधिकार विषय पर स्वयंसेवकों के साथ अपने विचार साझा किये ।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के पॉचवें दिन

दिनांक 25.03.2024 को मीराबाई छात्रावास स्थित दिग्विजयनाथ सभागार में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के पांचवें दिन स्वयंसेवकों में बहुमुखी प्रतिभा परीक्षण हेतु मेहँदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें चारों इकाइयों के सभी स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। आज के कार्यक्रम के बौध्दिक सत्र में डॉ त्रिभुवन मिश्र ,सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग ने

स्वयंसेवकों के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय अपने विचार साझा किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के छठवें दिन

दिनांक 27.03.2024 को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिवस पर पूर्व निर्धारित विषयो पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें चारो इकाईयों के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओ के द्वारा पर्यावरण, लोकतंत्र, महिला सशक्तीकरण, आपदा प्रबंधन, नई शिक्षा नीति आदि विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये गए । आज के कार्यक्रम के वौद्धिक सत्र में पर्यावरण एवम जलवायु परिवर्तन विषय पर भूगोल विषय के सहायक आचार्य एवम महाराणा प्रताप इकाई के कार्यक्रम अधिकारी जितेन्द्र कुमार पांडेय ने अपना विस्तृत विचार रखा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर का समापन

दिनांक 29.03.2024 को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों द्वारा मीराबाई इकाई के विशेष सप्तदिवसीय शिविर का समापन मीराबाई छात्रावास स्थित महन्त दिग्विजयनाथ सभागार में हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री निरंकार

सिंह, अपर नगर आयुक्त गोरखपुरएवं विशिष्ट अतिथि डॉ. सत्यपाल सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय रहे।

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 30 मार्च 2024 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में विशिष्ट व्याख्यान एवं बी.ए./बी.एस–सी.–भाग तीन के विद्यार्थियों का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. हरी शरण पूर्व प्रतिकुलपति, अधिष्ठाता विज्ञान संकाय थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज 21वीं शताब्दी महत्वपूर्ण है अगर हम 20वीं शताब्दी को देखें तो जितना विकास 21वीं शताब्दी में हुआ उतना विकास पिछले 2000 वर्षों में नहीं हुआ था।

अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि पूरी दुनिया में 21वीं शताब्दी में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है। क्योंकि संचार माध्यमों के बिना संपूर्ण विश्व में जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। वैज्ञानिक प्रबंधन के प्रतिपादक ए. डब्लू. टेलर ने कहा कि मूल्यांकन के लिए 'समय और मोशन' को आधार बनाना चाहिए। सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विकास की महती आवश्यकता है।